भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2393
10 दिसंबर, 2024 को उत्तरार्थ

विषयः हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स के उपयोग को बढ़ावा देना

2393. श्री विजयकुमार उर्फ विजय वसंतः
क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश में कृषि में हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स के उपयोग को बढ़ावा देने और सहायता करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) सरकार का किस प्रकार हाइड्रोपोनिक्स जैसे नवीन तरीकों के माध्यम से कृषि में पानी की कमी की चुनौतियों का समाधान करने का विचार है;

(ग) पारंपरिक खेती के हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स जैसे तरीकों के तहत टिकाऊ और कुशल विकल्पों को अपनाने के लिए किसानों में जागरूकता पैदा करने और उन्हें शिक्षित/ प्रोत्साहित करने के लिए की गई/ की जाने वाली पहलों का ब्यौरा क्या हैं;

(घ) कृषि में हाइड्रोपोनिक्स और एयरोपोनिक्स के अनुसंधान और विकास के लिए आबंटित किसी वित्तपोषण या राजसहायता का ब्यौरा क्या है;
(ङ) सरकार यह किस प्रकार सुनिश्चित करेगी कि हाइड्रोपोनिक तरीके से उगाए गए उत्पाद घरेलू खपत और निर्यात के लिए गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों पर खरे उतरे; और

(च) क्या अमेरिका के इंडियाना क्षेत्र में चल रही परियोजना के समान, हमारे देश में बड़े पैमाने पर हाइड्रोपोनिक फार्म स्थापित करने की कोई योजना है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (ग): हाइड्रोपोनिक और एरोपोनिक्स मिट्टी रहित माध्यम से फसल उगाने की तकनीकें हैं। ये तकनीकें वहाँ सफल हैं जहाँ मिट्टी की गुणवत्ता खराब है और निमेटोड का संक्रमण है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) संस्थान और विश्वविद्यालय देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स के लिए प्रौद्योगिकियों के विकास और मानकीकरण में लगे हुए हैं। आईसीएआर- भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (आईआईएचआर), बैंगलोर, आईसीएआर- केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान

(सीपीआरआई), शिमला और आईसीएआर- केंद्रीय उपोष्णकटिबंधीय बागवानी संस्थान (सीआईएसएच), लखनऊ, हाइड्रोपोनिक और एरोपोनिक्स को अपनाने के लिए किसानों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए इच्छुक हितधारकों को प्रशिक्षण और प्रदर्शन प्रदान कर रहे हैं। कृषि / बागवानी विश्वविद्यालय भी देश के जल संकट वाले क्षेत्रों में किसानों को इन प्रौद्योगिकियों के लाभों के बारे में शिक्षित कर रहे हैं।

(घ) : विभिन्न आईसीएआर-अनुसंधान संस्थान और राज्य कृषि विश्वविद्यालय मौजूदा बजटीय आवंटन के भीतर अपने अधिदेश के अनुसार हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स के अनुसंधान और विकास में लगे हुए हैं।

(ङ) : वर्तमान में, एगमार्क , गुड एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसेज (जीएपी) और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मौजूदा मानक लागू हैं।

(च) : इस स्तर पर ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

******